गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय, बाँसवाड़ा
वेद विद्यापीठ

E Mail- vedvidhyapeethggtu@gmail.com

ज्योतिष शास्त्र में एक वर्षीय डिप्लोमा पाठ्यक्रम

प्रथम प्रश्न पत्र (80 +20 अंक)

1. ज्योतिष शास्त्र का परिचय
2. ज्योतिष शास्त्र की उपयोगिता
3. ज्योतिष एवं विज्ञान
4. ज्योतिष एवं कर्म
5. ज्योतिष शास्त्र का संक्षिप्त इतिहास
6. सौर परिवार का सामान्य परिचय
7. पंचांग परिचय एवं मुहूर्त ज्ञान
8. नक्षत्र एवं राशि चक्र परिचय
9. समय ज्ञान, मानक, स्थानीय
10. सूर्योदय, सूर्यास्त, दिनमान
11. इष्टकाल, भयात, भभोग

द्वितीय प्रश्न पत्र (80 +20 अंक)

1. लग्न साधन
2. स्पष्ट ग्रह साधन
3. ससन्धि द्वादश भाव साधन
4. चलित चक्र निर्माण
5. षड्वर्ग साधन
6. ग्रह दृष्टि विचार
7. ग्रहमैत्री विचार (तात्कालिक–नैसर्गिक एवं पंचधा)
8. राशियों के गुणधर्म एवं स्वामी
9. चर एवं स्थिर कारक ग्रह

तृतीय प्रश्न पत्र (80 +20 अंक)

1. कालपुरुष के अंग विचार
2. ग्रहों के आत्मादि एवं राजादि विभाग विचार
3. बालारिष्ट योगविचार
4. जातक के विविध योग
5. अन्ध, काण, खञ्ज, वामन, मूक, बधिर,कलीव, श्रीनाथयोग, गजकेसरीयोग
6. पंचमहापुरुष योग, अमला योग

7. सूर्य एवं चन्द्रकृत शुभाशुभ योग

(80 +20 अंक)

चतुर्थ प्रश्न पत्र

1. गोचर विचार
2. भाव विचार
3. लघु पाराशरी के अनुसार भाव फल विचार
4. आयु विचार
5. राजयोग विचार
6. ग्रहों के योग कारकत्वविचार
7. मुहूर्त विचार
8. षोडष संस्कार एवं यात्रा, गृहारम्भ, गृह प्रवेश, क्रय–विक्रयादि मुहूर्त विचार

80 अंक
20 अंक

पंचम प्रश्न पत्र

1. प्रायोगिक
2. मौखिक

सहायक ग्रन्थ–

- भारतीय ज्योतिष – डॉ. नेमिचन्द्र शास्त्री
- लघु पाराशरी – महर्षि पाराशर
- लघु जातक – आचार्य वाराह मिहिर
- ताजिक नीलकण्ठ – आचार्य नीलकण्ठ
- मुहूर्त चिन्तामणि – आचार्य रामदैवज्ञ
- जातकालंकार – आचार्य गणेश दैवज्ञ
- ब्रह्माण्ड एवं सौर परिवार – डॉ. देवी प्रसाद त्रिपाठी
- केरल प्रश्न संग्रह – टीकाकारः प्रो. सच्चिदानन्द मिश्र
- ज्योतिष विज्ञान निर्झरी – डॉ. विनोद शास्त्री
- ज्योतिष पीयूष – म.म. पं. कल्याणदत्त शर्मा